नईदुनिया

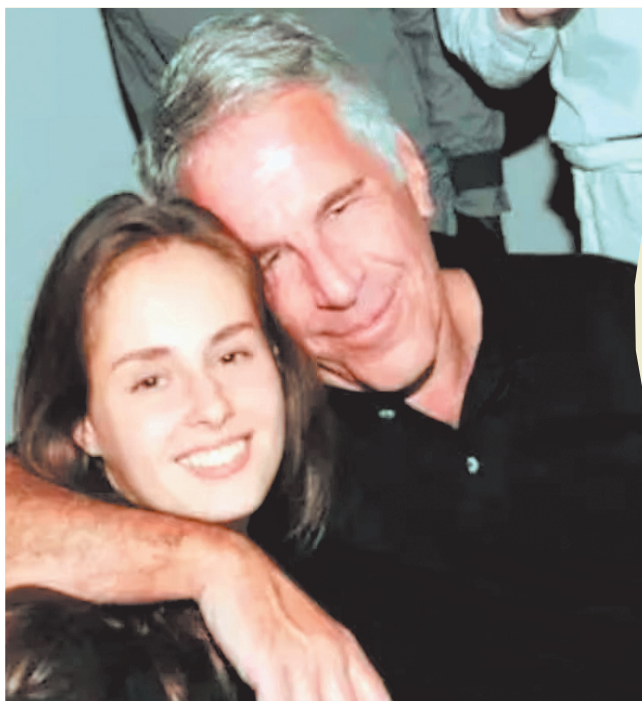

एपस्टीन की वसीयत से फिर चर्चा में आया संपत्ति विवाद

बेलारूस की दंत चिकित्सक सबसे बड़ी दावेदार बताई गईं

वॉशिंगटन, एजेंसीः दुनिया के चर्चित यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की मृत्यु के सात वर्ष बाद भी उसकी संपत्ति को लेकर विवाद जारी है। अमेरिकी जांच एजेंसियों के हाल में सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों के अनुसार बेलारूस मूल की 37 वर्षीय दंत चिकित्सक कारिना शुलियाक उसकी संपत्ति की सबसे बड़ी दावेदार हो सकती हैं। दस्तावेजों के अनुसार, एपस्टीन ने अपनी वसीयत में कारिना शुलियाक के नाम लगभग 959 करोड़ रुपये की संपत्ति तथा 33 कैरेट की हीरे की अंगूठी का उल्लेख किया था। बताया गया है कि न्यूयॉर्क की जेल में 10 अगस्त 2019 को मृत्यु से पहले एपस्टीन ने अंतिम दूरभाष वार्ता भी कारिना शुलियाक से ही की थी। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए लगभग 30 लाख पृष्ठों के दस्तावेज, पत्राचार और अभिलेखों में एपस्टीन तथा कारिना शुलियाक के बीच हजारों निजी संदेश और दोनों की अनेक तस्वीरें भी शामिल हैं। इन अभिलेखों से दोनों के लगभग आठ वर्षों तक चले संबंधों की जानकारी सामने आई है। दस्तावेजों के अनुसार बेलारूस में जन्मीं कारिना ने स्वयं को कभी एपस्टीन की पीड़िता नहीं बताया।

संघीय जांच ब्यूरो ने भी इस मामले में उनसे पूछताछ नहीं की, जबकि कथित पीड़िताओं की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं ने भी उनका बयान दर्ज नहीं कराया। जांच अभिलेखों के अनुसार मार्च 2011 में कारिना शुलियाक की मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उस समय वह 21 वर्ष की थीं और छात्र वीजा पर दंत चिकित्सा की पढ़ाई के लिए अमेरिका आई थीं। शुरुआती मुलाकातों में एपस्टीन ने उन्हें महंगे उपहार दिए और पढ़ाई में सहयोग का प्रस्ताव रखा। बाद में उसने कोलंबिया विश्वविद्यालय के दंत चिकित्सा विद्यालय में उनके प्रवेश तथा तीन वर्ष की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाने का भी निर्णय लिया। दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि उसने कई वर्षों में कारिना को लगभग 10 लाख डॉलर दिए तथा उनके बेलारूस में रहने वाले माता-पिता को भी धनराशि भेजी। अभिलेखों के अनुसार समय के साथ कारिना शुलियाक एपस्टीन की संपत्तियों और कर्मचारियों के प्रबंधन में भी सहयोग करने लगीं। वर्ष 2013 में अमेरिका में स्थायी निवास का अधिकार प्राप्त करने के लिए उनकी एक महिला कर्मचारी से समलैंगिक विवाह कराया गया।

बाद में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं और लगभग एक वर्ष बाद उनका तलाक हो गया। जुलाई 2019 में गिरफ्तारी के बाद एपस्टीन ने अपनी मृत्यु से पहले वसीयत में संशोधन किया। दस्तावेजों के अनुसार उसने अपनी उस समय की लगभग 60 करोड़ डॉलर की संपत्ति का बड़ा हिस्सा कारिना शुलियाक के नाम करने का उल्लेख किया था। इसी आधार पर अब उन्हें उसकी संपत्ति की सबसे प्रमुख दावेदार माना जा रहा है।

होर्मुज को लेकर ईरान की सऊदी अरब और ओमान से बातचीत

अमेरिकी हमलों के बाद बढ़े तनाव के बीच क्षेत्रीय सहयोग और स्थिरता पर दिया गया जोर

तेहरान,एजेंसीः होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने सऊदी अरब और ओमान के साथ कूटनीतिक संपर्क बढ़ाया है। ईरान का कहना है कि अमेरिकी हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव बढ़ा है और मौजूदा परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी संबंधित देशों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान तथा ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से अलग-अलग दूरभाष पर बातचीत की। इस दौरान क्षेत्र की ताजा स्थिति, आपसी संबंधों तथा क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, तीनों देशों ने आपसी सहयोग बढ़ाने और कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने पर सहमति व्यक्त की, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल की जा सके। इस बीच क्षेत्र में तनाव से जुड़े कई घटनाक्रम भी सामने आए हैं। ईरानी मीडिया ने उत्तरी इराक के खोर मोर गैस क्षेत्र पर हमले का दावा किया है। साथ ही एरबिल के निकट चार संदिग्ध ईरानी मानवरहित विमानों को मार गिराने तथा पश्चिमी इराक में एक अमेरिकी मानवरहित विमान को नष्ट किए जाने का भी दावा किया गया है।

उधर, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनकी प्रस्तावित बैठक में ईरान सबसे प्रमुख विषय रहेगा। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के साथ किसी भी प्रकार की वार्ता चलने की खबरों का खंडन किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंदेब समुद्री मार्ग प्रभावित होते हैं, तो वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों, माल परिवहन और आपूर्ति व्यवस्था पर व्यापक असर पड़ सकता है।

हालांकि, हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कुछ कम होने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

यूक्रेन के लिए वायु रक्षा सहायता और ईरान युद्ध पर रणनीति रहेगी वार्ता का प्रमुख विषय

ट्रम्प से मुलाकात के लिए अमेरिका पहुंचे जेलेंस्की और नेतन्याहू

वॉशिंगटन, एजेंसीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मंगलवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इन दोनों बैठकों में यूरोप और पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण चर्चा होगी और आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

जेलेंस्की ऐसे समय अमेरिका पहुंचे हैं, जब रूस की ओर से यूक्रेन पर लगातार मिसाइल और मानवरहित विमान हमले किए जा रहे हैं। समाचारों के अनुसार वह अमेरिकी राष्ट्रपति से वायु रक्षा के लिए पैट्रियट मिसाइल प्रणाली उपलब्ध कराने और उसके उत्पादन में सहयोग का आग्रह करेंगे। उनका कहना है कि रूस के लगातार हो रहे हवाई हमलों के बीच यूक्रेन की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

दूसरी ओर, ट्रम्प और नेतन्याहू की बैठक में ईरान से जुड़े घटनाक्रम प्रमुख विषय रहने की संभावना है। इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी के अनुसार दोनों नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि क्षेत्र में जारी युद्ध को किस प्रकार समाप्त किया जाए तथा स्थायी शांति स्थापित करने के लिए आगे की रणनीति क्या हो।

इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी नया प्रस्ताव सामने आया है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच ओमान ने सुझाव दिया है कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग का नियंत्रण केवल ईरान के पास न होकर क्षेत्र के सभी देशों की साझेदारी में हो। प्रस्ताव के अनुसार मलक्का जलडमरूमध्य की तर्ज पर संयुक्त व्यवस्था बनाई जाए, जिसमें इसका उपयोग करने वाले जहाज स्वैच्छिक शुल्क दें और उसी राशि से नौवहन, पर्यावरण संरक्षण तथा खोज एवं बचाव जैसी सेवाओं का संचालन किया जाए। बताया गया है कि इस प्रस्ताव को खाड़ी क्षेत्र के कई देशों का समर्थन भी प्राप्त है।

उधर, इजराइल और यूक्रेन के बीच भी उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ने के संकेत मिले हैं। दोनों देशों की टीमें प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की द्विपक्षीय बैठक कराने की तैयारी में जुटी हैं। वर्ष 2023 के बाद दोनों नेताओं की आमने-सामने मुलाकात नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि ईरान को लेकर दोनों देशों की चिंताएं समान हैं। पश्चिमी देशों की विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार ईरान ने रूस को बड़ी संख्या में शाहेद मानवरहित विमान उपलब्ध कराए हैं, जिनका उपयोग यूक्रेन के शहरों और आधारभूत ढांचे पर हमलों में किया जा रहा है। हालांकि ईरान लगातार यह कहता रहा है कि वह यूक्रेन युद्ध में किसी पक्ष का समर्थन नहीं कर रहा है। इस बीच अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत की खबरों का असर अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार पर भी दिखाई दिया। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट कच्चे तेल का भाव 1.66 प्रतिशत गिरकर 86.89 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल 1.76 प्रतिशत गिरकर 81.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बालेन शाह को भारत का आधिकारिक निमंत्रण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः भारत ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण भेजा है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह आमंत्रण दोनों पड़ोसी देशों के बीच लगातार जारी कूटनीतिक संपर्क और आपसी संवाद का हिस्सा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि भारत सरकार ने नेपाल के प्रधानमंत्री को आधिकारिक यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच नियमित स्तर पर संवाद और संपर्क बना हुआ है तथा यह निमंत्रण उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, विदेश मंत्रालय की ओर से अभी तक प्रस्तावित यात्रा की तिथि, कार्यक्रम अथवा वार्ता के संभावित विषयों की कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। इसी प्रकार नेपाल सरकार की ओर से भी अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह भारत की यात्रा कब करेंगे।

चेन्नई विमानपत्तन पर छह घंटे यात्रियों की परेशानी

नईदुनिया ब्यूरो, चेन्नईः चेन्नई के अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन पर मंगलवार सुबह व्यस्त समय के दौरान सैकड़ों यात्रियों को करीब छह घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा। लंदन, दुबई, सिंगापुर, म्यांमार और दोहा सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए यात्रा करने वाले यात्री लंबे समय तक प्रवेश के लिए कतारों में खड़े रहे।

विमानपत्तन सूत्रों के अनुसार सुबह पांच बजे से 11 बजे के बीच यहां से लगभग 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन होना था। इसी दौरान यात्रियों की संख्या अधिक होने के बावजूद कई प्रवेश द्वार बंद रहने से स्थिति और गंभीर हो गई।

अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल में कुल 12 प्रवेश द्वार हैं, जिनमें से 10 द्वार दोनों दिशाओं से उपयोग किए जा सकते हैं। बताया गया कि प्रवेश द्वार संख्या 5, 8, 9 और 10 बंद रहने के कारण यात्रियों को सीमित प्रवेश मार्गों का उपयोग करना पड़ा। इससे वाहन पार्किंग क्षेत्र तक लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों ने बताया कि उन्हें टर्मिनल भवन में प्रवेश करने के लिए एक घंटे से अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। विमानपत्तन के नियमों के अनुसार यात्रियों को अपनी उड़ान से तीन घंटे पहले टर्मिनल में प्रवेश की अनुमति होती है। हालांकि प्रवेश में हुई देरी के कारण यात्रियों को पंजीकरण, सीमा शुल्क निकासी और आव्रजन जैसी आवश्यक प्रक्रियाएं कम समय में पूरी करनी पड़ीं।

भारी बारिश से कई राज्यों में जनजीवन अस्त-व्यस्त

हिमाचल में अचानक बाढ़ से मलबे का सैलाब, उत्तराखंड में भूस्खलन से चारधाम यात्रा दो दिन स्थगित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः देश के कई राज्यों में लगातार हो रही भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में सोमवार देर रात मूसलाधार वर्षा के बाद अचानक आई बाढ़ से सरोल मोहल्ले सहित कई क्षेत्रों में पानी के साथ पत्थरों और मलबे का सैलाब घरों तथा दुकानों में घुस गया। कई मकानों की पहली मंजिल तक मलबा भर गया, जिससे व्यापक नुकसान हुआ।

उत्तराखंड में मंगलवार सुबह चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग जिलों में भूस्खलन की घटनाएं हुईं। रुद्रप्रयाग जिले में कुंड-काकड़ा के बीच केदारनाथ

राष्ट्रीय राजमार्ग मलबा आने से बंद हो गया। सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग भी बाधित होने के कारण चारधाम यात्रा दो दिनों के लिए स्थगित कर दी गई है। दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई तेज वर्षा से अनेक स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गईं। जलभराव के कारण कई क्षेत्रों में यातायात प्रभावित रहा और लंबा जाम लग गया। चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में मंगलवार सुबह एक शोध छात्रा की करंट लगने से मृत्यु हो गई। वह छात्रावास से अपने विभाग की ओर जा रही थी। वहीं मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में रविवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से 11 वर्षीय बालक सहित तीन लोगों की मृत्यु हो गई। मौसम विभाग की नवीनतम उपग्रह तस्वीरों के अनुसार पश्चिम बंगाल से उत्तराखंड तक लगभग 1500 किलोमीटर क्षेत्र में घने बादल छाए हुए हैं। इसके पीछे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरा निम्न दबाव क्षेत्र प्रमुख कारण बताया गया है। विभाग के अनुसार इस मौसम प्रणाली के प्रभाव से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में आगामी एक सप्ताह तक भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है। लगातार वर्षा के कारण उत्तराखंड के देहरादून में टोंस नदी पर बना नया पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। हिमाचल प्रदेश के चंबा में भूस्खलन से एक इमारत का हिस्सा मलबे में दब गया। असम के शिवसागर में बाढ़ का पानी घरों में घुसने से लोगों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। वहीं गुजरात के अहमदाबाद में भी भारी वर्षा के कारण सड़कों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

पाक अधिकृत कश्मीर में हिंसा 19 की मौत

मुजफ्फराबाद, एजेंसीः पाक अधिकृत कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के दौरान हिंसा भड़कने की खबर है। अलग-अलग घटनाओं में 19 लोगों की मौत का दावा किया गया है, जबकि कई अन्य लोगों के घायल होने की सूचना है। चुनावी धांधली के आरोपों और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच कई मतदान केंद्रों पर भी झड़पें हुईं।

संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के समर्थकों का आरोप है कि रावलकोट में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 19 लोगों की जान गई। संगठन ने सामाजिक माध्यम पर मृतकों के नाम भी जारी किए हैं।

भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में कराए जा रहे चुनावों को मान्यता देने से इनकार किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान इन चुनावों के माध्यम से क्षेत्र पर अपने अवैध कब्जे को छिपाने और वहां हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों से अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन से जुड़े स्वयंसेवक ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्लीः जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान प्रतिभागियों के लिए भोजन की व्यवस्था करने वाले स्वयंसेवक जुनैद मलिक ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उन्हें रास्ते से उठाकर लगभग छह घंटे तक हिरासत में रखा, धमकाया और बाद में देहरादून मार्ग पर एक सुनसान स्थान पर छोड़ दिया। याचिका में जुनैद मलिक ने कहा है कि पुलिस ने उनके परिवार को भी विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाए बिना परेशान किया। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से परिवार के विरुद्ध किसी भी प्रकार की आगे की कार्रवाई पर रोक लगाने तथा पूरे मामले की कानून के अनुसार जांच कराने का अनुरोध किया है। याचिका के अनुसार 24 जुलाई की आधी रात को जुनैद मलिक एंटी रेबीज का टीका लगवाकर राम मनोहर लोहिया अस्पताल से लौट रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उनका आरोप है कि पुलिस ने उनका मोबाइल दूरभाष जबरन खुलवाकर उसकी जांच की और उनसे पूछा कि उन्हें आर्थिक सहायता कौन देता है।

रिपोर्ट *लोकसभा में सरकार ने बताया- 576 लोगों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक आय दिखाई, कुल संपत्ति का विवरण उपलब्ध नहीं...*

देश में पिछले पांच वर्ष के दौरान चार गुना बढ़े अरबपति

नईदुनिया ब्यूरो, जयपुरः देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले लोगों की संख्या में चार गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। लोकसभा में केंद्र सरकार ने बताया कि वर्ष 2021-22 में ऐसे लोगों की संख्या 142 थी, जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 576 हो गई है। हालांकि सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके पास इन लोगों की कुल संपत्ति का कोई आधिकारिक या समेकित विवरण उपलब्ध नहीं है।

दौसा से सांसद मुरारीलाल मीणा के प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि आयकर अधिनियम में 'अरबपति' शब्द की कोई वैधानिक परिभाषा नहीं है। सरकार ने यह जानकारी आयकर विवरणियों में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक वार्षिक आय घोषित करने वाले करदाताओं के आधार पर उपलब्ध कराई है।

वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार के पास करदाताओं की कुल संपत्ति का कोई संकलित अभिलेख नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि संपत्ति कर अधिनियम, 1957 को एक अप्रैल

2016 से समाप्त कर दिया गया था। इसके बाद से कुल संपत्ति का ऐसा कोई आधिकारिक आंकड़ा संकलित नहीं किया जाता।

सरकार ने अपने उत्तर में यह भी कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के घरेलू उपभोग व्यय के बीच का अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए असमानता सूचकांक 0.237 तथा शहरी क्षेत्रों के लिए 0.284 दर्ज किया गया, जो वर्ष 2022-23 की तुलना में कम है। इससे दोनों क्षेत्रों के बीच असमानता में कमी आने का संकेत मिलता है। सरकार ने रोजगार और गरीबी से जुड़े आंकड़े भी सदन में प्रस्तुत किए। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर वर्ष 2022 के 3.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 3.1 प्रतिशत रह गई है। वहीं, नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी का अनुपात 24.85 प्रतिशत से घटकर 14.96 प्रतिशत हो गया। इस अवधि में लगभग 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि आय की असमानता कम करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि अत्यधिक आय वाले व्यक्तियों पर सामान्य कर के अतिरिक्त अधिभार भी लगाया गया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के एक होने से शरद पवार का इन्कार

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबईः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि पार्टी के दोनों गुटों के दोबारा एक होने का कोई प्रश्न ही नहीं है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब एक दिन पहले उनकी पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले और सांसद बजरंग सोनवणे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी।

सुप्रिया सुले और बजरंग सोनवणे ने सोमवार को अमित शाह से भेंट कर सुप्रिया सुले की बेटी के विवाह समारोह के स्वागत कार्यक्रम का निमंत्रण दिया था। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई थी कि शरद पवार का गुट भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो सकता है।

इससे पहले यह चर्चा भी सामने आई थी कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व चाहता है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुट एक होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा बनें।

हालांकि शरद पवार ने मंगलवार को अपने बयान के माध्यम से ऐसी सभी अटकलों को खारिज कर दिया।

इस बीच 22 जुलाई को शरद पवार और सुप्रिया सुले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। यह बैठक लगभग 20 मिनट तक चली थी।